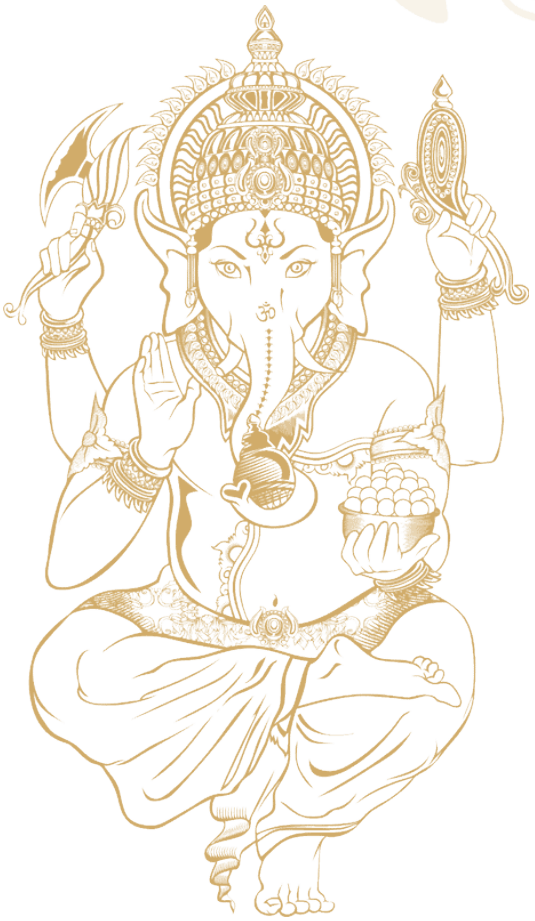

Mr. Ravi

Ms. Archita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120559505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/10/1993	जन्म तिथि	05/04/1995
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 08:40:00	जन्म समय	06:56:00 घंटे
घटी 06:07:22	जन्म समय(घटी)	02:31:19 घटी
India	देश	India
Satna	स्थान	Chhatarpur
24:33:00 उत्तर	अक्षांश	24:54:00 उत्तर
80:50:00 पूर्व	रेखांश	79:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:40	स्थानिक संस्कार	-00:11:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:13:03	सूर्योदय	06:00:17
17:27:26	सूर्यास्त	18:29:15
23:46:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 9वर्ष 1मा 9दि	15:10:49	वृश्चि	लग्न	मेष	08:04:00	चन्द्र 5वर्ष 2मा 18दि
राहु	13:56:18	तुला	सूर्य	मीन	21:00:48	गुरु
10/12/2025	20:35:35	मेष	चंद्र	वृष	16:22:38	23/06/2025
11/12/2043	29:44:49	तुला	मंगल	कर्क	20:07:18	23/06/2041
राहु 22/08/2028	26:45:47	तुला व	बुध	मीन	11:20:19	गुरु 11/08/2027
गुरु 16/01/2031	04:02:09	तुला	गुरु व	वृश्चि	21:34:12	शनि 21/02/2030
शनि 22/11/2033	25:01:57	कन्या	शुक्र	कुंभ	15:36:32	बुध 29/05/2032
बुध 10/06/2036	29:51:59	मक	शनि	कुंभ	24:49:11	केतु 05/05/2033
केतु 29/06/2037	09:18:01	वृश्चि व	राहु	तुला	11:52:30	शुक्र 04/01/2036
शुक्र 29/06/2040	09:18:01	वृष व	केतु	मेष	11:52:30	सूर्य 22/10/2036
सूर्य 23/05/2041	24:55:48	धनु	हर्ष	मक	06:17:59	चन्द्र 21/02/2038
चन्द्र 22/11/2042	24:51:57	धनु	नेप	मक	01:36:46	मंगल 28/01/2039
मंगल 11/12/2043	00:57:13	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:31:46	राहु 23/06/2041

लग्न-चलित

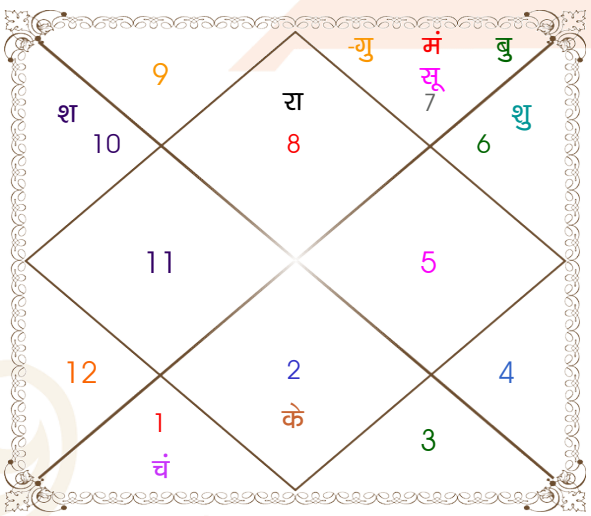

लग्न-चलित

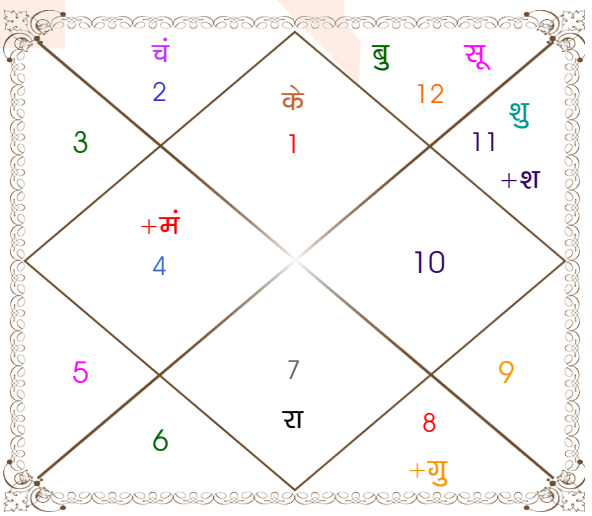

Shrikrishna Astro Vastu Point
Hamirpura Kalan, Sikar
8058313156
astrologerKrishna78910@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. Ravi का वर्ग मृग है तथा डेण ातबीपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Ravi और डेण ातबीपजं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Ravi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Ravi कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. Ravi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ।तबीपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण ।तबीपजं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण ।तबीपजं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण ।तबीपजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. Ravi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Ravi तथा डेण ।तबीपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।